# 3 अभ्यास प्रश्न-पत्र

समय : 3 घंटे | पूर्णांक : 90•

## खंड–'क'

**1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही उत्तर वाले विकल्प का चयन कीजिए–**

मितव्ययिता का अर्थ है–आय की अपेक्षा कम व्यय करना। मनुष्यों की आय एक-सी नहीं होती और न ही निश्चित रूप से होती रहती है। आज कोई सौ कमाता है, तो कल उसे दस की भी उपलब्धि नहीं होती। आय निश्चित भी हो, तब भी उसमें से कुछ-न-कुछ अवश्य बचाना चाहिए। जीवन में अनेक बार ऐसे अवसर आ जाते हैं, आकस्मिक दुर्घटनाएँ हो जाती हैं, बहुत बार रोग और अन्य शारीरिक आपत्तियाँ आ घेरती हैं, यदि पहले से मितव्ययिता का आश्रय न लिया जाए, तो मानापमान का कुछ ध्यान रखकर इधर-उधर हाथ फैलाने पड़ते हैं। उस समय सहायता मिलनी कठिन हो जाती है। मिल भी जाए, तो मनुष्य ऋण के बंधन में ऐसा जकड़ा जाता है कि आयु-पर्यंत अथवा पर्याप्त काल के लिए उससे मुक्त होने में नहीं आता। जो मितव्ययी नहीं हैं, वे प्रायः दूसरों के कर्ज़दार रहते हैं। ऋण से बढ़कर कोई दुख और संकट नहीं है।

जिन्हें अपव्यय करने का व्यसन पड़ जाता है, वे सहस्रों और लाखों रुपयों को अल्पकाल में ही स्वाहा कर देते हैं, पूर्वजों की गाढ़े पसीने की कमाई को योंही गँवा बैठते हैं। अक्षय संपत्ति भी फिजूलखर्च लोगों की फिजूलखर्ची को सदा नहीं निभा सकती। गरीबों को तो अपव्यय का स्वप्न भी नहीं देखना चाहिए, नहीं तो शीघ्र ही भूखे मरना पड़ेगा। इंद्रियों के स्वाद के पीछे उनका सर्वनाश हो जाएगा। दरिद्र का जीवन तो तपस्या का जीवन है। वे ही यदि समझ-बूझकर खर्च नहीं करेंगे, तो और कौन करेगा?

अपव्ययी को घर फूँक तमाशा देखने वाले की उपाधि दी जा सकती है। जिसकी आय दस रुपए और खर्च नौ रुपए है, वह धनी है और जिसकी आमदनी एक हज़ार रुपए और खर्च एक हज़ार रुपए है, उस जैसा निर्धन और कोई न होगा।

***(i)* मितव्ययी व्यक्ति उसे कहा जा सकता है, जो .....**

(क) कमाता कम है, खर्च अधिक करता है।
(ख) जितना कमाता है, उतना ही खर्च करता है।
(ग) जितना कमाता है, उससे कम खर्च करता है।
(घ) कुछ कमाता नहीं, केवल खर्च करता है।

***(ii)* जीवन में कई बार अचानक ..... हो जाती हैं, जब धन की ज़रूरत पड़ती है। (रिक्तस्थान की पूर्ति कीजिए)**

(क) दुर्घटनाएँ
(ख) समस्याएँ
(ग) गलतियाँ
(घ) लड़ाइयाँ

***(iii)* संसार में मनुष्य के लिए सबसे बड़ा दुख और संकट क्या है?**

(क) ऋणी होना
(ख) आलसी होना
(ग) कामचोर होना
(घ) होशियार होना

***(iv)* गरीब व्यक्ति को अपने पैसे का क्या करना चाहिए?**

(क) गरीब व्यक्ति को बिना सोचे-समझे पैसा खर्च करना चाहिए।
(ख) गरीब व्यक्ति को अपना पैसा सोच-समझकर खर्च करना चाहिए।
(ग) गरीब व्यक्ति को अपना पैसा सोच-समझकर भी खर्च नहीं करना चाहिए।
(घ) गरीब व्यक्ति को अपनी इच्छाओं की पूर्ति के लिए अधिक पैसा खर्च करना चाहिए।

***(v)* 'मानापमान' समस्तपद समास का कौन-सा भेद है?**

(क) कर्मधारय
(ख) द्वंद्व
(ग) तत्पुरुष
(घ) द्विगु

**2. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही उत्तर वाले विकल्प का चयन कीजिए–**

मन-मोहिनी प्रकृति की जो गोद में बसा है,
सुख स्वर्ग-सा जहाँ है, वह देश कौन-सा है?

---

• 90 अंकों में 10 अंक मुक्त पाठ्यवस्तु पर आधारित मूल्यांकन (OTBA) के प्रश्न होंगे, जिन्हें इस प्रश्न-पत्र में शामिल नहीं किया गया है।

जिसका चरण निरंतर रत्नेश धो रहा है,
जिसका मुकुट हिमालय, वह देश कौन-सा है?
नदियाँ जहाँ सुधा की धारा बहा रही हैं,
सींचा हुआ सलोना, वह देश कौन-सा है?
जिसके बड़े रसीले फल-कंद-नाज मेवे,
सब अँगने सजे हैं, वह देश कौन-सा है?
जिसके सुगंधवाले सुंदर प्रसून प्यारे,
दिन-रात हँस रहे हैं, वह देश कौन-सा है?
मैदान-गिरि-वनों में हरियालियाँ लहकतीं,
आनंदमय जहाँ है, वह देश कौन-सा है?
जिसके अनंत धन से धरती भरी पड़ी है,
संसार का शिरोमणि, वह देश कौन-सा है?

**(i) 'वह देश कौन-सा है?' कहकर कवि क्या बताना चाहते हैं?**

(क) भारत संसार का शिरोमणि देश है।
(ख) भारत बहुत बड़ा देश है।
(ग) वे भारत के बारे में नहीं जानते।
(घ) वे देश को ढूँढ़ रहे हैं।

**(ii) भारत के चरणों को ..... पखार रहा है तथा उसका मुकुट ..... है। वाक्य पूरा कीजिए–**

(क) सेवक, सोने का
(ख) नौकर, सुनहरी
(ग) समुद्र, हिमालय
(घ) भारतवासी, चाँदी का

**(iii) भारत भूमि का आँगन कैसा है?**

(क) रसभरे फलों से भरा है।
(ख) बहुत बड़ा है।
(ग) सजावटी है।
(घ) छोटा है।

**(iv) भारतभूमि पर दिन रात कैसे फूल खिलते हैं?**

(क) सुगंधित, रंगे-बिरंगे
(ख) बड़े-बड़े
(ग) छोटे-छोटे
(घ) हँसते-रोते

**(v) 'अनंत धन से धरती भरी पड़ी है' से क्या तात्पर्य है?**

(क) धरती में बहुत सा धन भरा हुआ है।
(ख) धन का कोई अंत नहीं।
(ग) धरती खनिज-संपदा से भरपूर है।
(घ) धरती पर धन ही धन है।

## खंड–'ख'

**3. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए–**

(क) 'अति' उपसर्ग से दो शब्द बनाइए।
(ख) 'उच्चारण' शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग व मूल शब्द लिखिए।
(ग) 'मिठास' शब्द में प्रयुक्त प्रत्यय व मूल शब्द लिखिए।
(घ) 'दार' प्रत्यय से दो शब्द बनाइए।

**4. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए–**

(क) 'डाकगाड़ी' तथा 'माता-पिता' समस्तपद का विग्रह कर समास का नाम लिखिए।
(ख) 'कमल के समान नयन' समस्तपद बनाकर समास का नाम लिखिए।

**5. अर्थ की दृष्टि से वाक्य-भेद बताइए–**

(क) शायद आज बहुत तेज धूप निकलेगी।
(ख) आओ हम सब घूमने चलें।
(ग) कितने लोग आ रहे हैं?
(घ) हम सबको मिलजुल कर रहना चाहिए।